अध्याय 8: सत्रिया और बिहू नृत्य

विषय-सूची

5 प्रश्नावली · 11 प्रश्न

प्रश्नावली 8.1	मेरी समझ से	2 प्रश्न
प्रश्नावली 8.2	मिलकर करें मिलान	1 प्रश्न
प्रश्नावली 8.3	पंक्तियों पर चर्चा	2 प्रश्न
प्रश्नावली 8.4	सोच-विचार के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 8.5	तीन बिहू	2 प्रश्न

प्रश्नावली 8.1 — मेरी समझ से

प्रश्न 1

नीचे दिए गए प्रश्न का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए— माँ एलेसेंड्रा के बारे में कौन-सा कथन सत्य है? (क) वे असम के जीवन के बारे में बहुत-कुछ जानती थीं। (ख) उन्हें असम, बिहू और सत्रिया नृत्य से बहुत प्रेम था। (ग) उन्होंने एंजेला को कुछ असमिया शब्द भी सिखाए। (घ) वे अपने कार्य में सहायता के लिए बेटी को लाई थीं।

हल

पाठ के अनुसार एलेसेंड्रा लंदन की ब्रिटिश अकादमी से वित्तीय सहायता पाकर असम की नृत्य परंपरा पर डॉक्यूमेंट्री बनाने आई थीं।

उनके पास केवल एक महीने का वक्त था, इसलिए उन्होंने एंजेला के स्कूल से बसंत की छुट्टियाँ बढ़वाईं और बेटी तथा पति को भी साथ ले गईं।

पाठ में यह कहीं नहीं बताया गया कि एलेसेंड्रा को असम से विशेष प्रेम था या वे वहाँ का जीवन पहले से जानती थीं।

असमिया शब्द अनु ने एंजेला को सिखाए, एलेसेंड्रा ने नहीं।

सही कथन यह है कि एलेसेंड्रा अपने डॉक्यूमेंट्री-कार्य में सहायता के लिए बेटी को लाई थीं — बच्ची को कैमरा पकड़ना था, यह नहीं, बल्कि माँ का काम पूरा हो सके इसलिए एंजेला और पापा भी साथ गए।

उत्तर: (घ) वे अपने कार्य में सहायता के लिए बेटी को लाई थीं।

प्रश्न 2

नीचे दिए गए प्रश्न का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए— "अनु और एंजेला ने तुरंत एक-दूसरे की तरफ़ देखा।" क्यों? (क) अनु के पास खिलौने थे। (ख) दोनों की आयु एक समान थी। (ग) दोनों को अंग्रेज़ी भाषा आती थी। (घ) एंजेला अनु से असमिया भाषा सीखना चाहती थी।

हल

पाठ में लिखा है: 'उन दोनों की ही उम्र दस साल थी, दोनों ने अंग्रेज़ी में बातचीत शुरू की।'

इससे स्पष्ट है कि दोनों ने एक-दूसरे को इसलिए देखा क्योंकि दोनों की आयु एक समान (दस वर्ष) थी और समान

उम्र के बच्चे तुरंत एक-दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं।

उत्तर: (ख) दोनों की आयु एक समान थी।

प्रश्नावली 8.2 — मिलकर करें मिलान

प्रश्न 1

स्तंभ 1 में दिए गए शब्दों का स्तंभ 2 में दिए गए वाक्यांशों से सही मिलान कीजिए— स्तंभ 1: 1. सत्र 2. बोहाग बिहू 3. लंदन 4. गुवाहाटी 5. ब्रिटिश अकादमी 6. बीसवीं शताब्दी स्तंभ 2: 1. ग्रेगरी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी 1901 से 31 दिसंबर 2000 तक का समय। 2. 'यूनाइटेड किंगडम' और 'इंग्लैंड' की राजधानी। 3. 'यूनाइटेड किंगडम' देश की एक सरकारी संस्था। 4. असम में मनाया जाने वाला एक त्योहार। यह असम में नए साल की शुरुआत और बसंत के आगमन का प्रतीक है। 5. भारत के असम राज्य का एक प्राचीन और सबसे बड़ा नगर है। 6. ये असम के मठ हैं। इनकी संख्या पाँच सौ से भी ज्यादा है। ये पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों के स्थान हैं। सत्रिया नृत्य की उत्पत्ति इन्हीं सत्रों में हुई है।

हल

1. सत्र → 6. ये असम के मठ हैं। इनकी संख्या पाँच सौ से भी ज्यादा है। ये पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों के स्थान हैं। सत्रिया नृत्य की उत्पत्ति इन्हीं सत्रों में हुई है।
2. बोहाग बिहू → 4. असम में मनाया जाने वाला एक त्योहार। यह असम में नए साल की शुरुआत और बसंत के आगमन का प्रतीक है।
3. लंदन → 2. 'यूनाइटेड किंगडम' और 'इंग्लैंड' की राजधानी।
4. गुवाहाटी → 5. भारत के असम राज्य का एक प्राचीन और सबसे बड़ा नगर है।
5. ब्रिटिश अकादमी → 3. 'यूनाइटेड किंगडम' देश की एक सरकारी संस्था।
6. बीसवीं शताब्दी → 1. ग्रेगरी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी 1901 से 31 दिसंबर 2000 तक का समय।

उत्तर: सत्र→मठ (6), बोहाग बिहू→नए साल का त्योहार (4), लंदन→यूके की राजधानी (2), गुवाहाटी→असम का बड़ा नगर (5), ब्रिटिश अकादमी→सरकारी संस्था (3), बीसवीं शताब्दी→1901-2000 (1)

प्रश्नावली 8.3 — पंक्तियों पर चर्चा

प्रश्न 1

पाठ में से चुनकर नीचे दी गई पंक्ति पर विचार कीजिए। आपको इसका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार लिखिए— "असम, भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में है, जिसे अपने वन्य-जीवन, रेशम और चाय के बागानों के लिए जाना जाता है। इसके साथ असम में नृत्य की भी एक समृद्ध परंपरा है।"

हल

इस पंक्ति का अर्थ है कि असम केवल प्राकृतिक सौंदर्य के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है।
असम भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित है और वहाँ के घने जंगलों में एक सींग वाला गैंडा जैसे दुर्लभ वन्य प्राणी मिलते हैं।
असम का मूँगा (एरी) रेशम और उसकी प्रसिद्ध चाय पूरी दुनिया में निर्यात होती है।
इसके साथ-साथ बिहू और सत्रिया जैसे नृत्यों की एक लंबी और जीवंत परंपरा ने असम को सांस्कृतिक दृष्टि से भी धनी बनाया है।
यह पंक्ति बताती है कि किसी स्थान की पहचान केवल उसके भौगोलिक संसाधनों से नहीं, बल्कि उसकी कला और संस्कृति से भी बनती है।

उत्तर: असम की पहचान वन्य-जीवन, रेशम और चाय के साथ-साथ उसकी समृद्ध नृत्य परंपरा (बिहू, सत्रिया) से भी है। यह पंक्ति असम की बहुआयामी विशिष्टता को दर्शाती है।

प्रश्न 2

पाठ में से चुनकर नीचे दी गई पंक्ति पर विचार कीजिए। आपको इसका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार लिखिए— "पूरी दुनिया की संस्कृतियों में लोग नृत्य और संगीत से अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं।"

हल

यह पंक्ति एंजेला की माँ एलेसेंड्रा ने कही थी जब एंजेला ने पूछा कि क्या संगीत और नृत्य सिर्फ़ त्योहारों पर ही होते हैं।
इस पंक्ति का अर्थ है कि नृत्य और संगीत सिर्फ़ किसी एक देश या संस्कृति की चीज़ नहीं है — ये मनुष्य की मूलभूत भावनाओं की अभिव्यक्ति के माध्यम हैं।
चाहे खुशी हो, दुख हो, प्रेम हो या उत्सव — दुनिया के हर कोने में लोग नाच-गाकर अपनी अनुभूतियाँ साझा करते हैं।
भारत में यह परंपरा विशेष रूप से समृद्ध है — बिहू, सत्रिया, भरतनाट्यम, कथक जैसे नृत्य इसके उदाहरण हैं।
यह पंक्ति यह भी बताती है कि नृत्य और संगीत सभी देशों और भाषाओं से परे, मानव-जाति की साझी भाषा है।

उत्तर: नृत्य और संगीत केवल त्योहारों तक सीमित नहीं हैं — ये मनुष्य की खुशी, दुख और हर भावना को व्यक्त करने के सार्वभौमिक माध्यम हैं। दुनिया की हर संस्कृति में ये मौजूद हैं।

प्रश्नावली 8.4 — सोच-विचार के लिए

प्रश्न 1

निबंध को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित के बारे में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए— "एंजेला के मन में कई तरह के विचार चल रहे थे।" उसके मन में कौन-कौन से विचार चल रहे होंगे?

हल

पाठ में यह प्रसंग तब आता है जब बिहू नृत्य देखने के बाद माँ ने एंजेला से पूछा कि उसे बिहू कैसा लगा।
एंजेला के मन में उस समय निम्नलिखित विचार चल रहे होंगे:
— बिहू इतना अद्भुत है कि उत्सव को और नृत्य को एक ही नाम 'बिहू' कहते हैं — यह कितनी अनोखी बात है!
— लंदन में हम बसंत ऐसे नहीं मनाते; क्या हमारे यहाँ भी ऐसा कोई त्योहार होना चाहिए?
— इन लड़के-लड़कियों के चेहरे पर कितनी खुशी है! इनके हाथ-पाँव की हर हलचल में नृत्य की मस्ती दिख रही है।
— क्या मैं भी सीख सकती हूँ यह नृत्य? अगर लंदन में भी ऐसे नृत्य होते तो कितना मज़ा आता!
— संगीत और नृत्य क्या सिर्फ़ त्योहारों पर ही होते हैं, या लोग यहाँ रोज़ ऐसे ही नाचते-गाते हैं?

उत्तर: एंजेला के मन में बिहू की अनोखी परंपरा की हैरानी, लंदन से इसकी तुलना, नृत्य सीखने की इच्छा और संगीत-नृत्य के अर्थ को समझने की जिज्ञासा जैसे विचार चल रहे होंगे।

प्रश्न 2

"बिहू एक कृषि आधारित त्योहार है।" कैसे?

हल

पाठ में माँ एलेसेंड्रा एंजेला को बताती हैं कि असम में बिहू साल में तीन बार मनाया जाता है।
तीनों बिहू किसानी के तीन महत्वपूर्ण अवसरों से जुड़े हैं:
1. रोंगाली/बोहाग बिहू (अप्रैल) — जब किसान खेतों में बीज बोते हैं और नए साल की शुरुआत होती है।
2. कोंगाली/काटी बिहू (अक्तूबर) — जब किसान धान रोपते हैं।
3. भोगाली/माघ बिहू (जनवरी) — जब खेतों में अनाज तैयार हो जाता है और कटाई का उत्सव होता है।
इस प्रकार बिहू कृषि चक्र — बुवाई, रोपाई और कटाई — के तीनों चरणों को उत्सव के रूप में मनाता है।
असम में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किसानों का है, इसलिए खेती से जुड़ा यह त्योहार उनके जीवन की खुशी और कृतज्ञता का प्रतीक है।

उत्तर: बिहू कृषि आधारित है क्योंकि यह साल में तीन बार — बीज बोने (बोहाग), धान रोपने (काटी) और फसल तैयार होने (माघ) पर — किसानों की खुशी के रूप में मनाया जाता है।

प्रश्न 3

"ऐसा लगता है कि भारत से जाने के बाद भी एंजेला के मन में असम ही छाया हुआ था।" पाठ से इस कथन के समर्थन के लिए कुछ उदाहरण खोजकर लिखिए।

हल

पाठ के अंत में लेखिका ने कई ऐसे प्रसंग दिए हैं जो बताते हैं कि भारत से लौटने के बाद भी एंजेला के मन-मस्तिष्क में असम छाया रहा:

1. 'वापस लौटने के बाद भी वह चलने, खाना खाने और यहाँ तक कि खेलने के दौरान भी नृत्य करती रही।' — यानी सत्रिया और बिहू की मुद्राएँ उसके दैनिक जीवन में उतर गई थीं।
2. 'वापस लंदन जाने के बाद वह उन सभी रिकॉर्डिंग्स को देखती रही, जो उसकी माँ ने रिकॉर्ड की थीं।' — वह बार-बार असम के नृत्यों की रिकॉर्डिंग देखती थी।
3. 'पूरे उत्साह के साथ वह असम की समृद्ध नृत्य परंपरा को याद करती रही।' — असम की यादें उसे बार-बार आती थीं।
4. उसने लंदन में अपनी कक्षा में स्वयं किए गए नृत्य की वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ प्रदर्शन किया। — उसने असम के नृत्यों को अपने सहपाठियों तक पहुँचाया।

उत्तर: लंदन लौटने के बाद भी एंजेला रोज़ नृत्य करती रही, माँ की रिकॉर्डिंग देखती रही, असम की नृत्य परंपरा याद करती रही और लंदन की कक्षा में भी उन नृत्यों का प्रदर्शन किया — ये सब उदाहरण यह दर्शाते हैं।

प्रश्न 4

समय के बदलने के साथ-साथ सत्रिया नृत्य की परंपरा में क्या बदलाव आया है?

हल

पाठ में बताया गया है कि सत्रिया नृत्य की शुरुआत असम के सत्रों (मठों) में हुई।
शुरू में सत्रिया नृत्य केवल मठों में, केवल पुरुष साधुओं द्वारा किया जाता था।
एंजेला ने जब एलेसेंड्रा से पूछा कि क्या सत्रिया नृत्य सिर्फ़ लड़कों और पुरुषों के लिए है, तो माँ ने बताया:
'बीसवीं शताब्दी के मध्य में कुछ साधु मठों से बाहर आकर पुरुषों और महिलाओं को सत्रिया नृत्य सिखाने लगे।'
शुरू में ऐसे साधुओं को मठों से निकाल दिया गया।
लेकिन आधुनिक दौर में महिला सत्रिया कलाकारों के लिए मंच पर नृत्य करना आम बात हो गई है।
इस प्रकार सत्रिया नृत्य मठों की सीमाओं से बाहर निकलकर आम जनता — पुरुष और महिला दोनों — तक पहुँचा, यही सबसे बड़ा बदलाव है।

उत्तर: पहले सत्रिया नृत्य केवल मठों में पुरुष साधुओं तक सीमित था। बीसवीं शताब्दी के मध्य में यह मठों से बाहर आया और आज महिलाएँ भी इसे मंच पर प्रस्तुत करती हैं — यही सबसे बड़ा बदलाव है।

प्रश्नावली 8.5 — तीन बिहू

प्रश्न 1

एंजेला और उसकी माँ एलेसेंड्रा कौन-से बिहू के अवसर पर भारत आए थे? लिखिए।

हल

पाठ में बताया गया है: 'वे जब यहाँ आ रहे थे तब अप्रैल का महीना चल रहा था। असम में यह नए साल का वक्त होता है।'
पाठ में यह भी बताया गया है कि बसंत के आने की खुशी में असम में 'बिहू' मनाया जाता है।
तीन बिहूओं में अप्रैल का बिहू 'रोंगाली' या 'बोहाग बिहू' है।
यह असम में नए साल की शुरुआत और बसंत के आगमन का प्रतीक है।

उत्तर: एंजेला और उसकी माँ एलेसेंड्रा 'रोंगाली' या 'बोहाग बिहू' के अवसर पर भारत आई थीं, जो बैसाख (सामान्यतया अप्रैल) में मनाया जाता है।

प्रश्न 2

तीनों बिहू के लिए लिखिए कि उस समय किसान खेतों में क्या कर रहे होते हैं?

हल

पाठ में बताया गया है: 'असम में बिहू साल में तीन बार मनाया जाता है। सबसे पहले जब किसान बीज बोते हैं, फिर जब वे धान रोपते हैं और फिर तब, जब खेतों में अनाज तैयार हो जाता है।'
1. रोंगाली/बोहाग बिहू (बैसाख, अप्रैल) — इस समय किसान खेतों में बीज बोते हैं। यह कृषि वर्ष की शुरुआत है।
2. कोंगाली/काटी बिहू (कार्तिक, अक्तूबर) — इस समय किसान खेतों में धान रोपते हैं।
3. भोगाली/माघ बिहू (माघ, जनवरी) — इस समय खेतों में अनाज (धान) तैयार हो जाता है और किसान फसल की कटाई करते हैं।

उत्तर: रोंगाली (अप्रैल) — बीज बोते हैं; कोंगाली (अक्तूबर) — धान रोपते हैं; भोगाली (जनवरी) — अनाज तैयार होता है/कटाई करते हैं।